Second Year Examination of the
Three Year Degree Course, 2001

(Faculty of Commerce)

BANKING AND BUSINESS ECONOMICS

Money, Banking And Public Finance

Time : 3 Hours] [Maximum Marks :100

प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न का चयन करते हुए,
परीक्षार्थियों को कुल **पाँच** प्रश्न करने है।
सभी प्रश्नो के अंक समान है।

इकाई–1

1. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था, समाजवादी अर्थव्यवस्था, एवं नियोजित अर्थव्यवस्था में मुद्रा के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। क्या मुद्रा पर नियंत्रण किया जाना चाहिए? **15+5**

2. मुद्रा के परिणाम सिद्धान्त के कैम्ब्रिज समीकरण की व्याख्या कीजिए। क्या यह फिशर के समीकरण पर एक सुधार है? **14+6**

इकाई–2

3. मुद्रा स्फीति क्या है? इसका समाज के विभिन्न वर्गो पर क्या प्रभाव पडता है? इससे किस प्रकार नियन्त्रित किया जा सकता है? **5+10+5**

4. नोट निर्गमन की कौन-कौन सी पद्धतियाँ है? वर्तमान भारतीय मौद्रिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताये क्या है? **10+10**

इकाई–3

5. शाखा बैकिंग व इकाई बैकिंग से क्या अभिप्राय है? भारत के लिए इनमें से कौन सी प्रणाली उपयुक्त है? **5+15**

6- भारतीय बैकिंग की उन आधुनिक प्रवृत्तियों की विवेचन कीजिए। जिनके कारण बैक अपने ग्राहकों के लिये अधिक उपयोगी बन गये है। **20**

इकाई–4

7. अधिकतम सामाजिक लाभ के सिद्धान्त को समझाइये। इस सिद्धान्त को क्रियान्वित करने में क्या कठिनाइयाँ आती है? **15+5**

8. करारोपण के उत्पादन, वितरण और कल्याण पर पड़ने वाले प्रभाव बताइये। **20**

इकाई–5

9. 'हीनार्थ प्रबंधन' से क्या तात्पर्य है? भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में घाटे की वित्त व्यवस्था की आवश्यकता को समझाइये। **5+15**

10. राजकोषीय नीति को परिभाषित कीजिए तथा उसके प्रमुख उपकरणों का विवेचन कीजिए। **20**

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com